क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 42, बुधवार, 06 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

मुंबई में हत्या के आरोपी को अज्ञात व्यक्ति ने मारी गोली, मौत

मुंबई:

उपनगरीय कुर्ला में एक अज्ञात व्यक्ति ने जमानत पर बाहर निकले हत्या के एक आरोपी की मंगलवार को गोली मार कर हत्या कर दी. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कुर्ला इलाके में हलाव पुल पर सुबह हमलावर ने जानू पवार उर्फ बिल्ला को गोली मार दी और फरार हो गया.

उन्होंने बताया कि पवार को दो गोलियां लगीं. उसे सरकारी सायन अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि किसी पुरानी रंजिश के कारण हत्या की गई है.उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और जांच की जा रही है.

अधिकारी ने बताया कि जिस व्यक्ति की हत्या की गई है उसे हत्या के ही एक मामले में जमानत दी गई थी. उन्होंने बताया कि मुंबई में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं.

'नेताजी' ने की PM मोदी की तारीफ, तो पार्टी ने केंद्रीय समिति से किया निलंबित

मुंबई :

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की कथित तौर पर तारीफ करने पर महाराष्ट्र से माकपा के एक नेता को पार्टी की केन्द्रीय समिति से निलंबित कर दिया गया है. माकपा के पूर्व विधायक नरसैया एडम ने सोलापुर जिले में एक आवास परियोजना को मंजूरी देने के लिए जनवरी में मोदी और फडणवीस की सराहना की थी और उन्हें धन्यवाद दिया था. एडम पहले रा'य विधानसभा में इसी क्षेत्र से निर्वाचित हो चुके हैं.

ऐसी तारीफ पार्टी की नीति के खिलाफ: माकपा

उन्होंने मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनने के लिए कथित तौर पर शुभकामना भी दी थी. पार्टी के एक पदाधिकारी ने मंगलवार को बताया, ''ऐसी तारीफ पार्टी की नीति के खिलाफ है. ऐसे में उन्हें तीन महीने के लिए पार्टी की केन्द्रीय समिति से निलंबित करने का निर्णय लिया गया है.

मायावती ने एयर स्ट्राइक के जरिए साधा BJP पर निशाना, कहा- 'PM मोदी की चुप्पी का रहस्य क्या है'

लखनऊ.

बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के पाकिस्तान में 250 आतंकियों के मारे जाने के बयान के लिए मंगलवार को उन पर जमकर निशाना साधा. मायावती ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह डंका पीट रहे हैं कि वायुसेना के हमले में 250 आतंकी मारे गये हैं जबकि क्रेडिट (श्रेय) लेने के लिए हमेशा आतुर इनके गुरु पीएम मोदी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं... क्यों ?' मायावती ने सवाल करते हुए कहा कि आतंकी मौत के घाट उतारे गए, अच्छी बात है परन्तु प्रधानमंत्री मोदी की लंबी चुप्पी का रहस्य क्या है ?

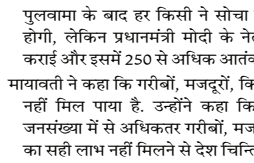

उल्लेखनीय है कि शाह ने अहमदाबाद की एक जनसभा में कहा था कि सैन्यबल पाकिस्तान में गए और सर्जिकल स्ट्राइक की. उन्होंने हमारे सैनिकों की शहादत का बदला ले लिया. पुलवामा के बाद हर किसी ने सोचा कि कोई सर्जिकल स्ट्राइक नहीं होगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने एयर स्ट्राइक कराई और इसमें 250 से अधिक आतंकवादी मारे गए.

मायावती ने कहा कि गरीबों, मजदूरों, किसानों को विकास का सही लाभ नहीं मिल पाया है. उन्होंने कहा कि वैसे तो 130 करोड़ भारतीय जनसंख्या में से अधिकतर गरीबों, मजदूरों, किसानों आदि को विकास का सही लाभ नहीं मिलने से देश चिन्तित है... फिर भी जीडीपी विकास दर पिछले 19 महीने के मुकाबले सबसे कम मात्र 6.6 प्रतिशत रहने पर अब चुनाव के समय में इस पर पीएम का जवाब व जुमलेबाजी क्या होगी ?

PM मोदी बोले, 'सरकार के काम का लेखा-जोखा मांगना एक चलन बन गया है'

पीएम मोदी ने कहा, "इन सभी का निर्माण समाज की ताकत से हुआ करता था. धीरे-धीरे, जानबूझकर या अंजाने में समाज की इस गतिविधि को दबा दिया गया और देश ने सामाजिक कार्य करने का जिम्मा ले लिया.

अडलाज(गुजरात):

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (05 मार्च) को कहा कि सरकार के काम का लेखा-जोखा मांगना देश में अब एक चलन बन गया है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य समाज को सशक्त बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा सामाजिक कार्य किए जा सकें.

प्रधानमंत्री ने गुजरात के गांधीनगर जिले के अडलाज कस्बे में नवनिर्मित अन्नपूर्णा धाम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' कार्यक्रम में कहा कि हाल में एक नया चलन देखने को मिला है, जहां लोग हर काम सरकार द्वारा किए जाने की उम्मीद करते हैं. वे सरकार से उन कामों के भी जवाब मांगते हैं जो नहीं किए गए. ये हमारे देश की परंपरा नहीं थी.

उन्होंने कहा कि पहले समाज धर्मशाला, गौशाला, पोखर एवं पुस्तकालयों का निर्माण करता था. पीएम मोदी ने कहा, "इन सभी का निर्माण समाज की ताकत से हुआ करता था. धीरे-धीरे, जानबूझकर या अंजाने में समाज की इस गतिविधि को दबा दिया गया और देश ने सामाजिक कार्य करने का जिम्मा ले लिया.

प्रधानमंत्री ने पाटीदार समुदाय की उपजाति लेवा पटेल द्वारा बनाए गए मंदिर के उद्घाटन के बाद कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्य को प्रशासनिक कार्य करना चाहिए और समाज को सशक्त बनाना चाहिए ताकि वह लोगों की बेहतरी के लिए ऐसे सामाजिक कार्य कर सके.

उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में वह लेवा समुदाय ही था जिसने अमूल आंदोलन की शुरुआत की और गुजरात के गांवों की सभी जातियों एवं वर्गों के लोगों को फायदा पहुंचाया था. समुदाय के सदस्यों से सामाजिक कार्य करने की अपील करते हुए मोदी ने कहा, "मैं आपसे मंदिर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रसाद के रूप में एक पौधा वितरित करने और उसे बड़ा करने के लिए कहने को कहूंगा."

J&K: आईपीएस अधिकारी के भाई के साथ बना था आतंकी, सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में किया ढेर

नई दिल्ली.

जम्मू और कश्मीर में सक्रिय आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन ऑल आउट चला रहे सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है. मंगलवार (5 मार्च 2019) की सुबह सुरक्षाबलों ने पुलवामा के त्राल इलाके में दो आतंकियों को मार गिराया है. दोनों आतंकी हिजबुल मुजाहिद्दीन नामक आतंकी संगठन से जुड़े हुए थे.

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मारे गए आतंकियों की पहचान अदफर फयाज और इरफान अहमद के रूप में हुई है. दोनों आतंकियों की पहचान के बाबत सुरक्षाबलों ने आधिकारिक पुष्टि कर दी है. फिलहाल, सुरक्षाबल इलाके में छिपे अन्य आतंकियों की तलाश में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं.

सुरक्षाबलों से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अफदर फयाज मूल रूप से त्राल के गुलशनपुरा इलाके का रहने वाला है. उसने बीते साल 8 जुलाई को 8 अन्य नौजवानों के साथ आतंक की दुनिया में कदम रखा था. फयाज के साथ आतंक की दुनिया में कदम रखने वालों में आईपीएस अधिकारी का भाई शमशुल हक भी शामिल था.

8 महीनों से सक्रिय था आतंकी अफदर

उन्होंने बताया कि कश्मीर घाटी में बीते 8 महीनों से आतंक फैला रहे अफदर फयाज को त्राल में हुए मुठभेड़ में मार गिराया है. अफदर फयाज के साथ मारे गए अन्य आतंकी की पहचान इरफान अहमद के रूप में हुई है. इरफान मूल रूप से त्राल के शरीफ अदब इलाके का रहने वाला है. 12वीं पास शरीफ ने 12 नवंबर 2017 को हिजबुल मुजाहिद्दीन नामक आतंकी संगठन ज्वाइन किया था.

गोल मस्जिद इलाके में छिपे थे आतंकी

सुरक्षाबलों के अनुसार, सोमवार शाम त्राल के मीर महोल्ला में आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी. सूचना के आधार पर सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन, 42 रा?ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने रविवार रात इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाशी शुरू की. मंगलवार सुबह सुरक्षाबल त्राल के गोल मस्जिद इलाके में स्थिति उस मकान को तलाशने में कामयाब रहे, जिसमें आतंकी छिपे हुए थे.

पूरी रात चला सर्च ऑपरेशन

सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, खुद को सुरक्षाबलों से घिरा पाकर मंगलवार सुबह करीब 7 बजे आतंकियों ने गोलियां बरसाना शुरू कर दी. जिसके बाद सुरक्षाबलों ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों आतंकियों को मार गिराया. जम?मू-कश?मीर पुलिस के अनुसार, "अभियान मंगलवार सुबह तक जारी रहा. आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोली चलाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई थी."

बुधवार को सेना ने किया था दो आतंकियों को ढेर

इससे पहले बुधवार को दक्षिणी कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने जैश के दो आतंकियों को मार गिराया था. मारे गए आतंकियों में एक पाकिस्तानी आतंकी था. उनके पास से भारी गोला-बारूद और हथियार बरामद हुए हैं.

दिग्विजय ने पुलवामा हमले को बताया दुर्घटना, वीके सिंह ने पूछा राजीव गांधी की हत्या थी या दुर्घटना

नई दिल्ली:

पूर्व सेना प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के विवादित ट्वीट को लेकर निशाना साधा है. जनरल (रि.) वीके सिंह ने मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने पूछा है कि वह बताएं कि जम्मू कश्मीर कश्मीर के पुलवामा में हुआ आतंकी हमला दुर्घटना है या हमला ? उन्होंने दिग्विजय से पूछा, 'आप बताएं कि राजीव गांधी की हत्या, हत्या थी या दुर्घटना ? इसका मुझे जवाब दे दें बाकि बाद में बात में करेंगे.वीके सिंह ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले पर दिग्विजय सिंह को जवाब देना चाहिए.

बता दें कि दिग्विजय सिंह ने अपने ट्वीट में पुलवामा आतंकी हमले को दुर्घटना बताते हुए पीओके के बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल उठाए है. दिग्विजय सिंह पीओके में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई को लेकर लगातार सेना और सुरक्षाबलों पर सवाल उठा रहे है. दिग्विजय सिंह के इस बयान पर केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा है, 'कांग्रेस को क्या हो गया है ? देश की जन भावना से एक दम उल्टी बात करते है, सेना की जानकारी को झूठला रहे हैं. किसी लोकतांत्रिक देश में नहीं होता है जहां पर सेना पर ही अविश्वास दर्शाया जाता है' इससे पहले राज्यसभा के 72 वर्षीय सांसद ने एक सवाल पर कहा था, "मैं पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारतीय वायुसेना की हालिया कार्रवाई पर कोई सवाल नहीं उठा रहा हूं. लेकिन खुले स्थान पर हुए किसी भी घटनाक्रम के बारे में सैटेलाइट तकनीकी के माध्यम से सारी तस्वीरें सामने आ जाती हैं. लिहाज ओसामा बिन लादेन के ब.. सामने सबूत पेश किये थे, (पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में) उस तरह का प्रमाण हमें (भारत सरकार) भी देने चाहिये."

आतंकी अफजल गुरू के बेटे ने मांगा पासपोर्ट, विदेश में करना चाहता है मेडिकल की पढ़ाई

नई दिल्ली:

साल 2001 में भारतीय संसद पर हुए आतंकी हमले के दोषी आतंकी अफजल गुरू के बेटे ने भारत सरकार से पासपोर्ट देने की मांग की है. अफजल गुरू के बेटे का कहना है कि उसे विदेश में पढ़ाई करने के लिए स्कॉरशिप मिल रही है लेकिन पासपोर्ट नहीं होने की वजह से वह उसका लाभ नहीं ले पा रहा है. अफजल गुरू के बेटे ने कहा कि उसके पास आधार कार्ड है, तो पासपोर्ट भी मिलना चाहिए. संसद हमले के दोषी आतंकी अफजल गुरू को साल 2013 में फांसी की सजा दी गई थी.

समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अफजल गुरू के बेटे गालिब गुरू ने कहा, 'मैं सोचता हूं कि मेरा पासपोर्ट मिलना चाहिए, क्योंकि तुर्की में मुझे स्कॉलरशिप मिल रही है मेडिकल के लिए, अगर मेरे पास आधार कार्ड है तो मुझे पासपोर्ट क्यों नहीं मिलना चाहिए. मुझे लगता है कि मुझे पासपोर्ट मिलना चाहिए.'

आतंकी अजफल गुरु के बेटे गालिब को 12वीं में मिले 88.2ब मार्क्स, अब डॉक्टर बनने की ख्वाहिश

जनवरी 2018 की खबर के मुताबिक भारतीय संसद पर हमले की साजिश रचने वाले मोहम्मद अफजल गुरु के बेटे गालिब गुरु ने 12वीं की परीक्षा में 88 फीसदी अंक हासिल किए थे. कश्मीर बोर्ड के नतीजों के मुताबिक, गालिब ने कुल 500 अंकों में से 441 अंक हासिल किए थे. उसे सभी पांच विषयों में 'ए' ग्रेड मिला था.

साइंस का स्टूडेंट रहा है गालिब

गालिब साइंस का स्टूडेंट है. उसने 12वीं में फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायोलॉजी ली थी. उसने सभी विषयों में 80 से ऊपर अंक हासिल किए थे. पीसीबी के अलावा उसके पास एनवॉयरमेंटल साइंस भी थी, जिसमें उसने सबसे अधिक 94 अंक हासिल किए थे.

10वीं में भी रहा था टॉपर

जम्मू कश्मीर के स्कूल 10वीं के परिक्षा बोर्ड में भी गालिब टॉपर रहा था. गालिब ने 10वीं में कुल 500 अंकों में से 474 अंक हासिल किए थे.

डॉक्टर बनना चाहता है गालिब

2016 में गालिब गुरु ने कहा था कि वह मेडिकल की पढ़ाई करके डॉक्टर बनना चाहता हैं. गालिब गुरु ने कहा, "यह मेरे माता-पिता और परिवार का सपना है कि मैं डॉक्टर बनूं और मैं इसे पूरा करने की कोशिश करूंगा."

राहुल गांधी ने बुलाई कांग्रेस नेताओं की बैठक, दिल्ली में AAP से गठबंधन पर हो सकता है फैसला

खबर है कि दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच 3-3 सीटों के फार्मूले पर चर्चा चल रही है.

नई दिल्ली:

लोकसभा चुनाव 2019 को लेकर दिल्ली की 7 सीटों पर आम आदमी पार्टी के साथ गठनबंधन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली कांग्रेस के सीनियर नेताओं के साथ बैठक बुलाई है. राहुल गांधी के घर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शीला दीक्षित, दिल्ली कांग्रस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन समेत दिल्ली के कई सीनियर नेता मौजूद है. सूत्रों की माने तो कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी का समझौता हो सकता है.

वैसे आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की 7 लोकसभा सीट में से 6 सीटों पर उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसे सिर्फ कांग्रेस पर दबाव की राजनीति माना जा रहा है. कांग्रेस आम आदमी पार्टी में 3-3 के फार्मूले पर चर्चा चल रही है जबकि एक सीट यशवंत सिन्हा या फिर शत्रुघ्न सिन्हा को दिए जाने की चर्चा है.

आम आदमी पार्टी कांग्रेस को 7 में से 2 लोकसभा सीट देना चाहती है लेकिन.कांग्रेस 3 से कम में समझौता नहीं करना चाहती है. आज की बैठक के बाद हो सकता है कि इस बात का जल्द ऐलान हो जाए.

लोकसभा चुनावों के लिए AAP ने कसी कमर, दिल्ली की 6 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

2019 के लोकसभा चुनावों के लिए दिल्ली की सत्तासीन आम आदमी पार्टी ने भी कमर कस ली है. शनिवार को पार्टी की ओर से दिल्ली की 6 लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों के नामों के लिस्ट जारी की गई है. पार्टी की ओर से जारी की गई लिस्ट के मुताबिक, चांदनी चौक लोकसभा सीट से पंकज गुप्ता उम्मीदवार होंगे. दिलीप पांडे नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, आतिशी- ईस्ट दिल्ली, राघव चड्ढा- साउथ दिल्ली, ब्रजेश गोयल- नई दिल्ली और गुग्गन सिंह को नॉर्थ वेस्ट लोकसभा सीट से उम्मदीवार बनाया गया है. वेस्ट दिल्ली से अभी तक पार्टी ने कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है.

आप ने यह घोषणा इन अटकलों के बीच की है कि कांग्रेस और इसके बीच गठबंधन हो सकता है. आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने कहा कि पार्टी द्वारा पश्चिम दिल्ली सीट के उम्मीदवार पर फैसला करना अभी बाकी है. राय ने कहा, पार्टी ने चांदनी चौक से पंकज गुप्ता, उत्तर पूर्व दिल्ली से दिलीप पांडे, पूर्वी दिल्ली से अतिशी, नई दिल्ली से ब्रजेश गोयल, उत्तर पश्चिम दिल्ली से गुगन सिंह और दक्षिण दिल्ली से राघव चड्ढा को मैदान में उतारने का फैसला किया है.

यह घोषणा लगातार इन अटकलों के बीच हुई कि लोकसभा चुनाव के लिए आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन हो सकता है. हालांकि, कांग्रेस की दिल्ली इकाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की खिलाफत के लिए जाना जाता है. कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आप के साथ सीटों के समायोजन को लेकर इच्छुक हैं.

BJP की चुनावी रणनीति में बदलाव, 'राष्ट्रवाद' पर फोकस, प्रचार टैगलाइन होगी- 'मोदी है तो मुमकिन है'

नई दिल्ली.

लोकसभा चुनाव 2019 की तारीखों को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं. संभावनाएं हैं कि लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा मार्च के दूसरे हफ्ते में हो सकती है. वहीं, इस बीच खबर ये आ रही है कि बीजेपी भी अपनी चुनावी रणनीति तैयार करने में जुट गई है. सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी लोकसभा चुनाव 2019 का विकास के मुद्दे के साथ-साथ राष्ट्रवाद पर भी लड़ेगी. बीजेपी चुनाव प्रचार की थीम लाइन का केंद्र इस बार राष्ट्रवाद होगा.

पुलवामा में आतंकी हमले के बाद भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तान पर किए गए एयर स्ट्राइक के बाद बीजेपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव रणनीति में बदलाव किया हैं. सूत्रों के मुताबिक, भारतीय वायुसेना के द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर किए एयर स्ट्राइक को बीजेपी चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाएगी. इसके लिए बीजेपी ने पिछले चुनाव की तरह इस बार भी गीतकार प्रसून जोशी को राष्ट्रवाद पर बीजेपी के लिए नया गीत और प्रचार का थीम तैयार करने को कहा गया है.

सूत्रों का कहना है कि इन गानों की थीम लाइन 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के इस गाने की तरह होगी, 'कसम है मुझे इस मिट्टी की, मैं देश नहीं झुकने दूंगा'. आपको बता दें कि पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद पीएम मोदी ने राजस्थान के टोंक में इन पंक्तियों को अपने भाषण में दोहराया था.

ये बताया जा रहा है कि चुनाव की तारीख घोषित होने के बाद और आचार संहिता लागू होने के बाद प्रचार का सबसे महत्वपूर्ण टैग लाइन होगी 'मोदी है तो मुमकिन है'. आपको बता दें कि अभी बीजेपी इस टैगलाइन के साथ प्रचार कर रहा है 'नामुमकिन भी अब मुमकिन है'.

संपादकीय

घिरता पाकिस्तान

पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद के खिलाफ बढ़ता वैश्विक दबाव स्वागतयोग्य है। भारत के पुलवामा में 14 फरवरी को जैसा आत्मघाती आतंकी हमला हुआ था, ईरान के सिस्तान व बलूचिस्तान प्रांत में भी ठीक वैसा ही हमला 13 फरवरी को हुआ था। जब भारत ने 40 से अधिक जवानों के शहीद होने का प्रतिशोध बालाकोट में हवाई हमले से लिया, तब ईरान में भी 27 जवानों के शहीद होने का प्रतिशोध लेने की मांग व चर्चा तेज हो गई। कोई आश्चर्य नहीं, ईरान के सैन्य कमांडर सीधे पाकिस्तान को धमकी दे रहे हैं कि पाकिस्तान आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे, अन्यथा ईरान स्वयं कार्रवाई करेगा।

भारत में आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी, जबकि ईरान में हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-अद्ल ने ली है। जैश-ए-अद्ल सुन्नी आतंकी संगठन है, जिसे पाकिस्तान में समर्थन उपलब्ध है। शिया वर्चस्व वाली ईरानी सेना के जवान इस आतंकी संगठन का निशाना बनते रहे हैं, जिसकी वजह से ईरान में पहले से ही नाराजगी रही है। इस नाराजगी को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई से जो बल मिला है, उससे ईरान और पाकिस्तान के बीच खटास बढ़ गई है। यह ताजा खटास या दबाव जहां पाकिस्तान में सुधार के अनुकूल है, वहीं मुस्लिम दुनिया के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। मुस्लिम दुनिया में ईरान बहुत महत्वपूर्ण देश है और पाकिस्तान का पुराना सहयोगी भी। भारत से 1965 और 1971 की लड़ाई में ईरान ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था। ईरान का सत्ता प्रतिष्ठान कश्मीर के मामले में भी पाकिस्तान का पक्षधर रहा है। ऐसे में, ईरान की पाकिस्तान से नाराजगी निर्णायक हो सकती है, जब इसके निहितार्थ को समझा जाए। पहला निहितार्थ यह है कि आतंकी किसी के नहीं होते। जो आतंकियों को पालता है या पलने देता है, वह भी एक दिन आतंक का शिकार हो जाता है। दूसरा निहितार्थ, ईरान की आतंकवाद को लेकर समझ बढ़ी है और वह भारत के साथ सहयोग बढ़ाना चाहता है। भारत के लिए यह प्रश्न ज्यादा महत्वपूर्ण है कि क्या ईरान अब कश्मीर पर आतंकियों या पाकिस्तान का पक्ष लेना छोड़ देगा? तीसरा, ईरान क्या सीधे आतंकी संगठनों को निशाना बनाने वाला है और क्या ईरान के ऐसा करने पर अमेरिका और सऊदी अरब चुप बैठेंगे? निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ सधे कदमों से चलने की जरूरत है। ईरान अपनी ओर से पाकिस्तान पर दबाव जारी रखे, अपने क्षेत्र में आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे। भारत के साथ वह व्यापक सहयोग बढ़ाए और कश्मीर या भारत को देखने में मजहब का चश्मा इस्तेमाल न करे। अरब देशों में समझदारी का नया दौर शुरू होना चाहिए। धर्म के आधार पर दुनिया को देखना बेमानी है। आज सबसे जरूरी है आतंकवाद का अंत। आतंकवाद को चौतरफा घेरने की जरूरत है। आज पाकिस्तान 45 से 48 आतंकी संगठनों की शरणस्थली बना हुआ है, तो हर उस देश को अपनी रीति-नीति में सुधार करना चाहिए, जिसने कभी न कभी पाकिस्तान की पीठ थपथपाई है। ईरान जैसा सशक्त पड़ोसी देश कायदे से पाकिस्तान की पीठ से हाथ हटा भर ले, तो भी बहुत है। अब पाकिस्तान की कुल भलाई इसी में है कि वह अपने पड़ोसियों की नाराजगी दूर करे और इसके लिए पहली और अंतिम शर्त है- आतंकवाद के खिलाफ सच्ची लड़ाई।.

निठारी में न्याय

निठारी कांड में सुरेन्द्र कोली को सीबीआई न्यायालय द्वारा फांसी की सजा अपेक्षित थी। 2006 में सामने आए इस मामले ने पूरे देश को हिला दिया था। इस घटना के सामने आने के बाद दुनिया की मीडिया ने भी इसको कवरेज दिया। कारण, इसके पूर्व इस तरह की हैवानियत का मामला ज्ञात समय में कहीं आया ही नहीं। निठारी की एक कोठी में जिस तरह मुहल्ले की बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर या ऐसा न कर पाने के बाद हत्या की जाती थी उसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती। कोठी में रसोइये का काम करने वाला कोली उनकी हत्या कर शवों के टुकड़े करता। उनमें से कुछ अंश को वह मांस बनाकर खाता तथा बचे हुए अंगों को पोलिथिन में भरकर नाले में फेंक देता। ऐसे 16 मामले न्यायालय में आए। ऐसे अपराध के लिए भी अगर फांसी न हो तो फिर कानून में उसका प्रावधान होने का उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा। ये तो विरलों में विरलतम से भी आगे के अपराध हैं। नौ मामले में कोली को पहले ही फांसी हो चुकी है। जाहिर है, जब तक सारे मामलों का फैसला नहीं आ जाता उसे फांसी पर लटकाया नहीं जा सकता। हालांकि यह प्रश्न लगातार उठा है कि जब उसका मालिक मोनिंदर सिंह पंढेर भी साथ रहता था तो फिर वह सारे मामलों में अभियुक्त क्यों नहीं बना? सीबीआई की जांच कहती है कि कुछ मामलों में दुष्कर्म तक उसकी संलिप्तता थी। यानी हत्या व नरमांस भक्षण में वह शामिल नहीं था। न्यायालय तो सबूतों के आधार पर फैसला करता है। वैसे कोली पर भी तीन मामले थे, जिनमें से एक में वह बरी हो गया। दो में फांसी की सजा मिली जिसके खिलाफ वह इलाहाबाद हाईकोर्ट गया जिसने स्थगनादेश दे दिया। इस तरह वह जमानत पर है। निठारी में ज्यादातर गरीब परिवार रहते हैं। अब उनके बच्चे वापस नहीं आ सकते। वे आज भी अपने बच्चों के साथ हुई बर्बरता को याद कर कांपते हैं पर कम से कम उन्हें इसका संतोष होगा कि अपराधी को सजा मिली। कोली ने जो अपराध किया उसके लिए शायद ही कोई शब्द किसी भाषा में उपलब्ध हो। वैसे कोली भी अत्यंत गरीब परिवार से हैं, जहां कोई दूसरा कमाऊ नहीं है। लेकिन इसके आलोक में उसके अपराध पर विचार नहीं हो सकता। न्यायालय ने उसे पूरी कानूनी सहायता उपलब्ध कराई है। बावजूद मनुष्य के नाम पर इस कलंक को किसी तरह की रहम नहीं मिलनी चाहिए।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

खुद के होने का सबूत

पाक के लगभग पीएम माने जानेवाले इमरान खान का इंटरव्यू, कुछ खास अंश-पत्रकार-पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कैसे हैं आप? क्या हाल हैं?इमरान खान-सबूत पेश करें, सबूत पेश करें।पत्रकार-कमाल है। आप पीएम हैं इसके क्या सबूत पेश किये जायें? दुनिया तो यही मानती है कि आप पाक के पीएम हैं। आपकी सरकार के एक मंत्री शेख रशीद ने कहा कि अजहर साहब के मदरसे तक पाकिस्तान में भारतीय वायु सेना घुस आयी। क्या सबूत पेश करें कि शेख रशीद आपकी ही सरकार में मंत्री हैं? इमरान खान-सबूत पेश करें, सबूत पेश करें। पत्रकार-अब आप मजाक कर रहे हैं। आपको पता होना चाहिए कि शेख रशीद आपकी ही सरकार में मंत्री हैं और उन्होंने पाकिस्तान की संसद में कहा कि भारतीय वायु सेना पाक में अंदर तक आ गयी। आपके ही मंत्री कहें भारतीय वायु सेना के पाकिस्तान में आने की बात, तो क्या सबूत पेश करें। तब ही इमरान खान के सचिव ने बताया कि यह खुद से ही सुबह से शाम तक सबूत मांगते रहते हैं कि ये ही पाकिस्तान के पीएम हैं। सुबह इन्हें आर्मी वाले आकर डपटते हैं। दोपहर में आतंकी डांटते हैं। शाम को इंटरनेशनल डांट के कॉल्स आते हैं-अमेरिका से, आस्ट्रेलिया से, फ्रांस से। तो इन्हें थोड़ा-सा यकीन होता है कि यही ही हैं, पीएम पाक के। बाकी तो दिन भर पाक आर्मी, पाक आतंकी, पाक आईएसआई फील ही न होने देती है कि यह पाक के पीएम हैं। इसलिए यह खुद से और सबसे सबूत मांगते रहते हैं कि मैं ही पीएम हूं। हर बात पर यही बोलते हैं कि सबूत पेश करें। पत्रकार ने आगे पूछा-आपके पीएम रहते ही पाक में बालाकोट में भारतीय वायु सेना घुस आयी। क्या यह सबूत पेश करूं कि बालाकोट पाकिस्तान में ही है? इमरान खान-सबूत पेश करें। सबूत पेश करें। पत्रकार-जिस हिसाब से पाकिस्तान चल रहा है, उसे देखते हुए इसके टुकड़े होना तय है कि कुछ साल बाद इसका सबूत मिलना भी मुश्किल हो जायेगा कि इस्लामाबाद पाकिस्तान में ही था। वैसे एक जमाने में ढाका पाकिस्तान का शहर होता था, अब इसे कोई याद भी नहीं करना चाहता। इमरान खान-सबूत पेश करें। सबूत पेश करें।

प्रचार के मैदान पर लड़ा गया युद्ध

हरजिंदर

वायु सेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ की इस बात में दम है कि फौज का काम लक्ष्य पर जाकर निशाना लगाना होता है, कितने लोग मरे, कितने घायल हुए यह गिनना उसका काम नहीं है। वायु सेना इसे पहले भी स्पष्ट कर चुकी है, लेकिन बालाकोट की सर्जिकल स्ट्राइक में मरने वालों की संख्या को लेकर चल रहा बेवजह का विवाद पिछले कुछ दिनों में इतना बढ़ गया कि खुद उन्हें प्रेस कांफ्रेंस करके यह बात कहनी पड़ी।

वायु सेना के लिए संख्या महत्वपूर्ण होनी भी नहीं चाहिए, लेकिन इस सच को भी हमें ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी युद्ध या किसी भी मोर्चे पर सेनाएं सिर्फ आधी लड़ाई ही लड़ती हैं। वे युद्ध के मैदान पर, दुश्मन के आसमान पर और समुद्री सीमाओं के आर-पार सक्रिय होती हैं, जबकि इसके साथ ही लड़ाई का एक बड़ा मोर्चा रेडियो तरंगों, टेलीविजन प्रसारण और ब्रॉडबैंड पर खुलता है, जिसे प्रचार युद्ध कहा जाता है। युद्ध तो कुछ ही दिन में खत्म हो जाता है, लेकिन प्रचार युद्ध उससे पहले शुरू होता और उससे बहुत बाद तक चलता है। यह भी कहा जाता है कि दुश्मन के खिलाफ पहला निशाना जब साधा जाता है, प्रचार युद्ध उसके पहले ही कई निशाने साधने में जुट जाता है। यह वह युद्ध है, जिसमें सत्य और तथ्य का कोई अर्थ नहीं होता, महत्वपूर्ण यह होता है कि आप लोगों को खास तरह से सोचने पर कैसे बाध्य कर सकते हैं? कैसे आप युद्ध और तनाव का एक ऐसा फसाना या नैरेटिव रच सकते हैं, जिससे लोग खुद को जोड़ सकें, या उन्हें एक सहज समझी जा सकने वाली कहानी की तरह लगे।

प्रचार युद्ध में आमतौर पर दो तरह के नैरेटिव रचे जाते हैं। एक होता है आंतरिक प्रचार के लिए, या देश के भीतर युद्ध का माहौल रचने के लिए। ऐसा माहौल बनाना होता है कि दुश्मन के खिलाफ लोगों की भुजाएं फड़कने लगें। किसी भी युद्ध में इसे सबसे जरूरी माना जाता है। धारणा यह है कि सरकार, समाज और अर्थव्यवस्था सभी के लिए युद्ध एक असाधारण स्थिति होती है, प्रचार युद्ध का काम इस असाधारण स्थिति के लिए नागरिकों का तैयार करना होता है, ताकि वे युद्ध में अपना योगदान देने के लिए तन, मन और धन से तैयार रहें। प्रचार युद्ध का एक दूसरा और ज्यादा कठिन मोर्चा वह होता है जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनमानस को प्रभावित करने का काम किया जाता है। यह पूरी दुनिया के सामने अपने पक्ष को जायज ठहराने के लिए होता है। अगर आप अमेरिका जैसी महाशक्ति नहीं हैं तो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रचार में संतुलन कायम करना कई बार काफी टेढ़ी खीर भी हो जाता है। घरेलू प्रचार में आपको अपनी युद्ध की तैयारियों की डींग हांकनी होती है, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रचार में अपने आप को शांति का पुजारी और शांति के लिए युद्ध की मजबूरी बतानी होती है।

पुलवामा की आतंकवादी वारदात के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जो तनाव हुआ, बाद में भारत की सर्जिकल स्ट्राइक, और फिर भारतीय पाकिस्तानी युद्धक विमानों के बीच की डॉग फाइट वगैरह की जो आक्रामकता दिखी उसका प्रचार युद्ध कई तरह से अलग था। दोनों देश प्रचार की इकहरी लड़ाई लड़ते दिखाई दिए। भारत जो कर रहा था वह मूल रूप से घरेलू जनमानस के लिए था जबकि

पाकिस्तान की कोशिश अंतरराष्ट्रीय जनमत को प्रभावित करने की थी। भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक से बालाकोट स्थित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को नष्ट करने की बात बताई और आधिकारिक रूप से इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी गई। यह जरूर है कि अनौपचारिक रूप से मीडिया को यह जानकारी दी गई कि इस हमले में तीन सौ से चार सौ आतंकवादी मारे गए हैं। घरेलू जनमानस को बताने के लिए इतना ही काफी था और उसके लिए किसी अतिरिक्त सबूत की जरूरत भी नहीं थी। बाद की घटनाओं में भी सरकार की ओर से पहले बस इतना ही कहा गया कि भारत ने पाकिस्तान का एफ-16 फॉलकॉन बमवर्षक मार गिराया है। बाद में उसे यह जरूर स्वीकारना पड़ा कि उसका एक मिग-21 बाईसन नष्ट हो गया है और पायलट लापता है। इसके अलावा पाकिस्तान के लगातार खंडन को देखते हुए एफ-16 के हमले और उसे ध्वस्त किए जाने के सबूत पेश किए गए। जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रचार की बात है भारत ने राजनयिक प्रयासों पर ही ज्यादा भरोसा किया। अंतरराष्ट्रीय समर्थन को लेकर वह आश्वस्त था और वह समर्थन दिखा भी।

इसके विपरीत पाकिस्तान की समस्या यही थी कि अंतरराष्ट्रीय जनमत कई कारणों से उसके खिलाफ था। इसलिए शुरू से आखिर तक पाकिस्तान या तो शांति का सुर अलापता रहा या अपनी बेगुनाही के सुबूत बांटता रहा। पुलवामा के आतंकी हमले के तुरंत बाद से ही, आने वाले खतरे को भांप कर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान शांति वार्ता शुरू करने की बात करने लगे थे। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद उन्होंने अपने घरेलू जनमानस के लिए बदला लेने की बात भले ही कही हो लेकिन बातचीत की बात भी लगातार करते रहे। स्ट्राइक के तुरंत बाद यहां तक कि भारत के आधिकारिक रूप से स्ट्राइक की बात स्वीकारने से पहले ही पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने खुले मैदान और टूटे हुए पेड़ों की तस्वीरें जारी कर दीं, दुनिया को यह दिखाने के लिए भारतीय वायुसेना ने हमला किया है और वह नाकाम रहा। इसी तरह से भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के पाकिस्तान में पकड़े जाने के बाद पाकिस्तानी सेना की तरफ से जो वीडियो जारी किया गया, उसमें एक आध को छोड़कर उतनी ही जानकारी थी जितनी जिनेवा कन्वेंशन के हिसाब से एक युद्धबंदी से मांगी जानी चाहिए। पाकिस्तान ने तुरंत ही समझ लिया कि अभिनंदन को अंतरराष्ट्रीय प्रचार युद्ध में हथियार बनाना ही समझदारी होगी। इसलिए इमरान खान ने जब संसद में उनकी रिहाई की घोषणा की, तो वीडियो भी पूरी दुनिया में जोर-शोर से जारी किया गया। इतना ही नहीं, उन लोगों की तस्वीरें भी प्रचारित की गई, जो युद्ध का विरोध करते हुए अभिनंदन की रिहाई के लिए पाकिस्तान में प्रदर्शन कर रहे थे। पाकिस्तान जो नैरेटिव रच रहा था, उसमें ये तस्वीरें काफी उपयोग थीं, कोई और मौका होता, तो शायद ये लोग वहां गद्दार करार दिए जाते। हालांकि इस प्रचार युद्ध में भी पाकिस्तान की सफलता संदेह के घेरे में ही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

> पुलवामा की आतंकी वारदात के बाद बने तनाव में पाकिस्तान शुरू से आखिर तक अंतरराष्ट्रीय जनमानस को साधने में ही लगा रहा।

फार्म 26 की नकेल

माननीयों की आय पर आयोग की नजर

अनुप भटनागर

देश के दागी सांसद और विधायक अदालतों में वर्षों से लंबित हत्या, बलात्कार, हत्या के प्रयास, यौन शोषण, भ्रष्टाचार और ऐसे ही तमाम संगीन अपराधों से संबंधित मुकदमों को त्वरित अदालतों को सौंपे जाने के झटके से अभी उबर भी नहीं पाये हैं कि अब निर्वाचन आयोग ने चुनाव में सभी प्रत्याशियों के लिये नामांकन पत्र दाखिल करते समय पिछले पांच साल की संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य कर दिया है। निर्वाचन आयोग का यह कदम ऐसे सांसदों और विधायकों के लिये परेशानी का सबब बन सकता है, जिन्होंने अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान बेशुमार दौलत अर्जित की है । उन्हें अब अपना, अपने जीवन साथी और परिवार के आश्रित सदस्यों की संपत्ति का विवरण भी देना होगा।

निश्चित ही निर्वाचन आयोग का यह कदम गलत तरीके से धन अर्जित करने वालों को चुनावों में प्रत्याशी बनने से हतोत्साहित करेगा। निर्वाचन आयोग ने नामांकन पत्र के साथ संलग्न होने वाले फार्म 26 के प्रारूप में संशोधन कर दिया है। निश्चित ही ऐसा करते समय सरकार और निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय के फरवरी, 2018 के एक फैसले को ध्यान में रखा है।

नामांकन पत्र के साथ दाखिल होने वाले फार्म 26 के नये प्रारूप में अब प्रत्येक प्रत्याशी को नामांकन पत्र के साथ अपनी, अपने जीवन साथी और परिवार के आश्रित सदस्यों की पांच साल की चल और अचल संपत्ति का विवरण देना होगा। यही नहीं, इस हलफनामे में प्रत्याशियों के लिये पैन नंबर, अंतिम आयकर विवरणी दाखिल करने की तिथि और पिछले पांच साल के विवरण में विदेश में स्थित संपत्ति ही नहीं बल्कि संयुक्त स्वामित्व वाली सारी संपत्तियों का

विवरण देना अनिवार्य हो गया है।

राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 33 और धारा 169 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके निर्वाचनों के संचालन संबंधी नियमों में संशोधन करते हुए नामांकन पत्र के साथ हलफनामे के रूप में दाखिल होने वाले फार्म 26 के प्रारूप में संशोधन किया गया है। फार्म 26 के प्रारूप में संशोधन के बाद प्रत्याशियों द्वारा हलफनामे में दिये गये पांच साल की संपत्ति के विवरण पर आयकर विभाग की भी पैनी नजर रहेगी। लोकसभा और कुछ राज्यों की विधानसभा के चुनाव अगले कुछ महीनों में होने वाले हैं। ऐसी स्थिति में आयकर विभाग के लिये प्रत्याशियों, उनके जीवन साथी और आश्रितों की संपत्ति में हुई वृद्धि का पता लगाना अधिक मुश्किल नहीं होगा क्योंकि अधिकतर नेताओं द्वारा 2014 में अपनी संपत्ति के बारे में हलफनामे पर की गयी घोषणा आयोग के रिकार्ड में उपलब्ध है।

जिन प्रत्याशियों की चल-अचल संपत्ति के विवरण में विसंगति मिली या पिछले पांच साल में हुई वृद्धि के बारे में किसी प्रकार का संदेह हुआ तो यह उनके लिये निकट भविष्य में परेशानी का कारण बन सकता है। इसकी एक वजह यह भी है कि आयकर विभाग ऐसे प्रत्याशियों से उनकी संपत्ति में हुए इजाफे के स्रोत के बारे में तहकीकात करेगा और संतुष्ट नहीं होने पर उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत कार्रवाई का रास्ता उपलब्ध रहेगा।

संयोग से पिछले सप्ताह ही गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स ने 2004 से 2019 तक लोकसभा और विधानसभा चुनावों में सांसदों और विधायकों के वित्तीय और आपराधिक विवरणों के आधार पर एक विश्लेषण रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सांसद और विधायक बनने के बाद ऐसे नेताओं की संपत्ति में लगातार इजाफा हुआ है। रिपोर्ट में यहां तक कहा गया है कि पिछले एक दशक में राजनेताओं की संपत्ति में करीब दस गुणा वृद्धि हुई है। उनकी संपत्ति में बेहिसाब इजाफा होने पर उच्चतम न्यायालय भी चिंता व्यक्त करता रहा है।

शीर्ष अदालत के न्यायमूर्ति जे. चेलमेश्वर और न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर की पीठ ने 16 फरवरी, 2018 को गैर सरकारी संगठन 'लोक प्रहरी' की याचिका पर सुनाये गये फैसले में स्पष्ट रूप से कहा था कि फार्म 26 में उपलब्ध करायी जाने वाली जानकारी मतदाताओं के लिये प्रासंगिक है और इसके आधार पर ही वे किसी प्रत्याशी को मत देने या नहीं देने के बारे में फैसला कर सकते हैं। शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद सरकार और निर्वाचन आयोग का यह कदम लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनुचित तरीके से धन अर्जित करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मददगार होगा।

उम्मीद की जानी चाहिए कि पिछले पांच साल के दौरान बेहिसाब संपत्ति अर्जित करने वाले सांसदों और विधायकों से अगर इस संपत्ति के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो जांच एजेन्सियां उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून और दूसरे दंडनीय कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करेंगी।

अभिनंदन

मीडिया पर सवाल और हकीकत

कुमार समीर सिंह

अभिनंदन वर्तमान प्रकरण में भारतीय मीडिया पर की भूमिका पर देश में कई तरह के सवाल खड़े किए जा रहे हैं। पूछा जा रहा है कि क्या भारतीय मीडिया का भोंपू वाला रोल देशहित में था ? राष्ट्रवाद की जो परिभाषा मीडिया (खासतौर पर इलेक्ट्रोनिक मीडिया) द्वारा परोसी गई, क्या उसे किसी भी दृष्टि से सही ठहराया जा सकता है? एक तरफ हमारा जाबांज पाकिस्तान के कब्जे में था और हम चिल्ला-चिल्ला कर राष्ट्रवाद की दुहाई देकर कहते रहे कि पाकिस्तान की छाती पर हमने मूंग दरर दिया है, डरने की बात नहीं पाकिस्तान को झुकना ही है और हमारे जाबांज अभिनंदन को वापस करना ही होगा। मीडिया के एक बड़े वर्ग के इस तरह के ओवर कांफिडेंस का मतलब क्या था? क्या ऐसा कर हम पाक को उकसा नहीं रहे थे और अभिनंदन के जिंदगी से खिलवाड़ नहीं कर रहे थे? क्या उनकी वतन वापसी तक उकसाऊ बातों से मीडिया को परहेज नहीं करना चाहिए था? मीडिया के इस तरह के रोल से नियंतण्र दबाव पर असर पड़ा और पाकिस्तान जो पुलवामा हमले के बाद पूरी तरह से बैकफुट पर था उसे भारतीय मीडिया के एक वड़े वर्ग द्वारा आवेश वाली रिपोर्टिंग से ऑक्सीजन मिला। उसकी तरफ से प्रचारित करने की कोशिश की गई कि किस तरह भारतीय मीडिया भड़काऊ बातें कर रहा है जबकि वे अभिनंदन की रिहाई की तैयारी कर रहे हैं। बताते हैं कि इसी वजह से अभिनंदन की रिहाई में वक्त लगा। उनकी रिहाई का समय कई बार बदला, पहले तय समय 12 बजे के बाद दो बजे, पांच बजे और रात आठ बजे रिहा करने की बात की गई। आखिरकार रात करीब सवा नौ बजे उन्हें बाघा सीमा पर सौंपा गया।

भारतीय मीडिया की तरफ से इस बारे में कहा गया कि पाकिस्तान ने वीडियो बनाने की वजह से रिहाई में देरी की। यह भी बताया गया कि पाक मीडिया में रिकॉर्डेड वीडियो संदेश वायरल किया गया, जिसमें कई कट हैं। बाद में वीडियो में सात कट की बात की गई और कहा गया कि यह संकेत है कि इसे परोक्ष रूप से पाकिस्तानी रु ख के अनुरूप करने के लिए इसमें काट-छांट की गई। यह भी कहा गया कि विंग कमांडर पर दबाव बनाकर रिकॉर्ड किया गया। इस बात में काफी हद तक सच्चाई हो सकती है क्योंकि इससे उसे लगा होगा कि उनकी करतूत से लोगों का ध्यान बंटाया जा सकता है। लेकिन वीडियो में अभिनंदन द्वारा भारतीय मीडिया को लेकर कही गई बातें बहुत कुछ बयां करती हैं। भारतीय मीडिया द्वारा कही गई हल्की व उकसाऊ बातों का अभिनंदन ने जिक्र किया है जो भारतीय मीडिया के रोल पर प्रश्नचिह्न तो लगाता ही है। इस हकीकत को हम यह कहकर नहीं नकार सकते कि वीडियो से छेड़छाड़ की गई है। मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या यह सब टीआरपी के लिए था? और अगर ऐसा था तो क्या इससे शर्मनाक और कोई बात हो सकती है? पल-पल की जानकारी देने के चक्कर में भारतीय कूटनीति तक को नुकसान पहुंचाने का काम मीडिया द्वारा नहीं किया गया है? ये ऐसे कुछ सवाल हैं, जिनके जवाब ढूंढ़ने के साथ-साथ उस पर मंथन भी जरूरी है। इसलिए कि अगर देशहित को ताक पर रखकर टीआरपी के चक्कर में यह सब किया गया है तो इस पर नकेल जरूरी है। अपने-अपने न्यूज रूम में बैठकर कल्पना के आधार पर बेसिर-पैर वाली बातों से मीडिया को बचना चाहिए। स्थान, काल, पात्र को ध्यान में रखकर संयमित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। मीडिया को पार्टी बनने से बचना चाहिए और उसकी रिपोर्ट केवल और केवल तयों पर आधारित होनी चाहिए। कहना न होगा कि मीडिया की साख दिन-ब-दिन घटती जा रही है।आम जनता के बीच भी इस तरह की बातें होनी शुरू हो गई है कि फलां मीडिया घराना फलां पार्टी से प्रभावित है। फलां पार्टी का मुखपत्र हो गया है फलां मीडिया घराना। मीडिया को अपनी विश्वसनीयता के लिए आत्ममंथन करना होगा, नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब चीख-चीखकर मीडिया जानकारी देता रहेगा और लोग उनकी इन जानकारियों का अपने-अपने तरीके से लिटमस पत्र के जरिए जांच करते रहेंगे कि उनके द्वारा परोसी गई जानकारियों में कितनी सच्चाई है। गंभीर लेखन व रिपोर्टिंग से अपनी पुरानी विश्वसनीयता को हासिल करना मीडिया के समक्ष आज की तारीख में सबसे बड़ी चुनौती है। मीडिया को ध्यान देना होगा ताकि अभिनंदन जैसा कोई भी व्यक्ति चाहे दबाव में भी हो, गर्व के साथ भारतीय मीडिया पर प्रश्न पूछने पर सकारात्मक तर्क के साथ अपनी बात रख सके। ऐसे किसी प्रश्न से उसकी फॉल्स स्थिति महसूस न हो।

टोटल धमाल हुई 100 करोड़ के पार तो अनिल कपूर ने कही ये बात

हिंदी फिल्म उद्योग में लगभग 40 दशक से सक्रिय अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उनका लक्ष्य अपनी क्षमताओं को बढ़ाना और यह जानना है कि इसे कैसे बढ़ाया जाए।

अनिल ने नाटक, एक्शन, रोमांस, कॉमेडी और सामाजिक फिल्म जैसी विभिन्न शैलियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई है। उन्होंने मिशन इंपॉसीबलः घोस्ट प्रोटोकॉल और स्लमडॉग मिलेनियर जैसी हॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। यह पूछने पर कि क्या उन्हें और कुछ करने की आकांक्षा है तो अनिल ने लंदन से ईमेल के माध्यम से आईएएनएस से कहा कि मैं और बेहतर करना चाहता हूं, बेहतर होना चाहता हूं। मुझे लगता है कि मानवीय क्षमताओं की कोई सीमा नहीं है और इसलिए हम सब उससे ज्यादा कर सकते हैं, जितना हम करते हैं। मेरे जीवन का लक्ष्य अपनी क्षमताओं को और बढ़ाना है।अनिल (62) अपनी हालिया फिल्म टोटल धमाल की सफलता से खुश हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। अनिल ने कहा कि दर्शकों को कॉमेडी फिल्म पसंद करते देखना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में हम सबने बहुत मेहनत की और यह मजे से भरी हुई है। जबतक हम आपको हंसाते हैं, तबतक यह एक अच्छा दिन रहता है। उम्मीद है कि फिल्म आगे भी अच्छा लोगों को हंसाएगी। इंदर कुमार द्वारा निर्देशित टोटल धमाल सफल फ्रेंचाइजी धमाल की तीसरी फिल्म है। फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म डबल धमाल थी। फिल्म में अजय देवगन, माधुरी दीक्षित नेने, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी ने भी प्रमुख भूमिका निभाई है। इसका निर्माण इंदर कुमार, अशोक ठकेरिया और अजय देवगन ने संयुक्त रूप से किया है।

साहो की मुख्य अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के जन्मदिन पर रिलीज हुआ शेड्स ऑफ साहो का दूसरा अध्याय!

श्रद्धा कपूर के जन्मदिन पर, एक तोहफे के रूप में साहो के निर्माताओं ने शेड्स ऑफ साहो का दूसरा अध्याय रिलीज कर दिया है। 1.2 मिनट के इस वीडियो में आकर्षक एक्शन सीक्वेंस की झलक देखने मिल रही है। वीडियो में जन्मदिन मना रही, श्रद्धा कपूर का एक्शन पैक अवतार पेश किया है और पैन-इंडिया के सुपरस्टार प्रभास सुपर-स्टाइलिश लुक में दिखाई दे रहे है। शेड्स ऑफ साहो के दूसरे अध्याय के जरिए निर्माताओं ने फिल्म के दमदार एक्शन की झलक साझा की है, जहां टीम ने इंडस्ट्री के सबसे महंगे और बहु-करोड़ एक्शन दृश्यों में से एक को अंजाम दिया है।

देश और विदेश में फिल्माए गए हैं सीनः इस फिल्म को देश के आस-पास और बाहरी स्थानों पर फिल्माया जा रहा है। बहु प्रतिभाशाली अमिताभ भट्टाचार्य के लिरिक्स और शंकर-एहसान-लॉय की अद्भुत तिकड़ी के संगीत के साथ, यह आपकी प्लेलिस्ट में जगह बनाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में फोटोग्राफी के निर्देशक मेढ़ी, अनुभवी एडिटर श्रीकर प्रसाद और लोकप्रिय प्रोडक्शन डिजाइनर साबू सिरिल की उपस्थिति के साथ एक अविश्वसनीय और अद्भुत फिल्म की अपेक्षा कर सकते है।

यह होंगे अन्य कलाकार

साहो में प्रभास और श्रद्धा कपूर के अलावा नील नितिन मुकेश, जैकी श्रॉफ, मंदिरा बेदी, महेश मांजरेकर और वंकी पांडे एंटरटेनमेंट का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। बहु प्रतिभाशाली अमिताभ भट्टाचार्य के लिरिक्स और शंकर-एहसान-लॉय की अद्भुत तिकड़ी के संगीत के साथ, यह आपकी प्लेलिस्ट में जगह बनाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में फोटोग्राफी के निर्देशक मेढ़ी, अनुभवी एडिटर श्रीकर प्रसाद और लोकप्रिय प्रोडक्शन डिजाइनर साबू सिरिल की उपस्थिति के साथ एक अविश्वसनीय और अद्भुत फिल्म की अपेक्षा कर सकते है।

92.7 बिग एफएम ने शो 'धुन बदल के तो देखो विथ विद्या बालन' किया लॉन्च

भारत के सबसे बड़े रेडियो नेटवर्क्स में से एक, बिग एफएम हाल ही में एक बड़े बदलाव से होकर गुजरा है। चैनल 59 रेडियो स्टेशनों पर अपनी टैगलाइन 'धुन बदल के तो देखो' को जोर-शोर से चला रहा है। अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए, इस रेडियो चैनल ने अपने इस नए टाइटल, 'धुन बदल के तो देखो विथ विद्या बालन' पर आधारित एक बिलकुल नए तरह के शो की घोषणा की है। यह शो मुथुट फिनकॉर्प की प्रस्तुति और ग्लेनमार्क द्वारा को-पावर्ड होगा। इस प्रोग्राम का लक्ष्य प्रासंगिक सामाजिक विषयों पर सकारात्मक चर्चा को आगे बढ़ाना है, जिसमें नई राह बनाने वाली अभिनेत्री विद्या बालन को उपयुक्त रूप से इस रेडियो शो को पहली बार होस्ट करने के लिए चुना गया है। मार्च के तीसरे हफ्ते में रिलीज होने वाला यह शो हरेक वीकेंड पर शनिवार और रविवार को, शाम 7 से रात 9 बजे तक प्रसारित किया जाएगा।

'धुन बदल के तो देखो विथ विद्या बालन' महत्व पूर्ण सामाजिक विषयों को सामने लेकर आएगा, जो कि इस देश के लोगों को सामने आने के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही सामाजिक चुनौतियों और मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत में हिस्सा लेने के लिए उन्हें प्रेरित करेगा। ऐसे विषय जो कि वाकई मायने रखते हैं, उस पर दिलचस्प चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए यह शो विचारों को प्रेरित करने वाले, विद्या बालन के मोनोलॉग के साथ शुरू होगा। उसके बाद विशेषज्ञों, विचारकों की राय और सेलेब्रिटीज पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाएंगे। प्रोग्रामिंग में नवाचारों और रचनात्मकता को बढ़ाते हुए, हर एपिसोड में एक नए विषय को लिया जाएगा, जिसमें मानसिक सेहत से लेकर, आज के जमाने की पैरेंटिंग, गोद लेने, बॉडी शेमिंग, बाल यौन शोषण और कई अन्य मुद्दे होंगे, जो कि बाधाओं को दूर करने के इर्द-गिर्द होगा। कुल मिलाकर, श्रोताओं को प्रेरित करने के लिए 'धुन बदल के तो देखो' में लोगों की वास्तविक कहानियां होंगी, जिन्होंने समाज के सोचने के तरीके और व्यिवहार में बदलाव लाया है। इस शो के मनोरंजन पक्ष को और बढ़ाने के लिए मजेदार कॉमिक लाइन, बॉलीवुड का तड़का और लोगों के साथ वॉक्स पॉप होगा। आगामी शो के बारे में अपनी बात रखते हुए, अब्राहम थॉमस, सीईओ बिग एफएम ने कहा कि ''आज के इस प्रतिस्पर्धी दौर में, हमारे जैसे मीडिया ब्रांड्स से लोग ज्यादा से ज्यादा की उम्मीद कर रहे हैं। हमसे यह उम्मीद की जाती है कि हम ब्रांड्स में मकसद लेकर आएं। उनकी उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए, हम 'सिर्फ मनोरंजन से मकसद के साथ मनोरंजन' की तरफ रुख कर रहे हैं। हमारा उद्देश्यी लोगों की सोच को प्रभावित करना है। 'धुन बदल के तो देखो' बिग एफएम का प्रयास है एक बेहतर कल के लिए लोगों की सोच को प्रेरित करने का।''

सुनील कुमार, कंट्री हेड, थिंक बिग एफएम ने कहा कि ''बिग एफएम का मानना है कि एक ब्रांड के तौर पर यह सोच को प्रेरित कर सकता है और 'धुन बदल के तो देखो' के विचार के साथ हम लोगों से विनती करना चाहते हैं कि जीवन को अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखें और अपने तरीकों को लेकर कठोर न रहें। विद्या बालन के साथ यह शो एक अनूठी फिलॉसफी को पूरे देशभर में बिग एफएम रेडियो नेटवर्क और डिजिटल पर एक अनूठे फॉर्मेट में लेकर आने वाला है। यह शो गंभीर से लेकर हल्के -फुलके कई सारे विषयों को लेकर आएगा, जो चचाओं को आगे बढ़ाने का वादा करता है। विद्या द्वारा होस्टत किए जाने वाले इस शो में विशेषज्ञ और अन्य सेलिब्रिटिज को भी उन विषयों पर चर्चा करते हुए देखेंगे। यह शो 92.7 बिग एफएम पर मार्च के तीसरे हफ्ते में शुरू होगा।''

इस शो की घोषणा के बारे में अपनी बात रखते हुए, सुपरस्टार और अब आरजे विद्या बालन कहती हैं कि ''अपने जीवन का एक नया सफर शुरू करने के लिए मैं काफी उत्साहित हूं। अपनी फिल्म में कई सारे दिलचस्पी किरदार निभाने के बाद, जिसमें दो बार आरजे की भूमिका भी शामिल है, मुझे वास्तविक जीवन में रेडियो जॉकी बनने और साथ ही इस माध्यम के जरिए लोगों से सीधे जुड़ने का बेसब्री से इंतजार है । इस शो का अर्थपूर्ण कॉन्सेप्ट, 'धुन बदल के तो देखो' मौजूदा सामाजिक विकास और बदलावों के बारे में सकारात्मक चचाओं से जुड़ा है। 92.7 बिग एफएम के जरिए लाखों लोगों तक पहुचकर सकारात्मक विचार को प्रेरित करने मौका मिलने की मुझे बेहद खुशी है। सामाजिक बदलाव लाने के उद्देश्य से बनाया गया प्रोग्रामिंग का यह दिलचस्प फॉर्मेट, प्रभावशाली विद्या बालन, जिन्होंने हमेशा ही अपने अपारंपरिक भूमिकाओं से सोच को बदला है, इस शो के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। हर तरफ मजबूत कैंपेन के साथ इस नए शो का जोर-शो से प्रचार किया जाएगा और साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रमोशन के अनूठे तरीके और रणनीतियां अपनाई जाएंगी।

रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की जोड़ी एक बार फिर दिखेगी

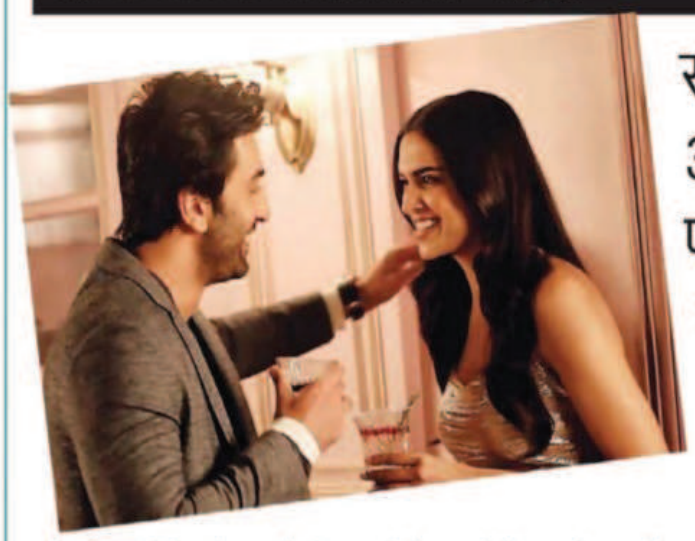

पिछले कुछ दिनों से रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण के एक बार फिर पर्दे पर एक साथ नजर आने की खबरें सुर्खियों में छाई हुई है, लेकिन इस बार यह जोड़ी किसी फिल्म में नहीं, बल्कि एक विज्ञापन में एक साथ नजर आएगी। खबरों की इस गर्मा-गर्मी के बीच अब, हाल ही में किए गए उनके शूट से कुछ तस्वीरें हमारे हाथ लग गई है।

उन्होंने हाल ही में मुंबई में कमर्शियल के लिए शूटिंग की है और ये तस्वीरें न सिर्फ शानदार दिख रही है, बल्कि स्क्रीन पर दोनों को एक साथ देखने पर बहुत सारी अच्छी यादें भी ताजा हो गई हैं। एक तस्वीर में, वे चिल करते हुए एक सोफे पर कॉफी का आनंद लेते हुए नजर आ रहे हैं और दूसरी तस्वीर में एक घर की दीवार के पास हंसते हुए दिखाई दे रहे है।

रणबीर और दीपिका ने एक साथ तीन फिल्में की हैं जिसमें बचना ऐ हसीनों, ये जवानी है दीवानी और तमाशा शामिल है। प्रत्येक फिल्म में उनकी केमिस्ट्री बेहद आकर्षक और शानदार थी, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था। अब दोनों को इस नवीनतम कमर्शियल में एक साथ देखना काफी दिलचस्प होगा।

छोटा पर्दा

द कपिल शर्मा शो में हो सकती है सिद्धू की वापसी

पुलवामा हमले पर दिए राजनेता नवजोत सिंह सिद्धू के विवादित बयान के बाद उनकी चौतरफा आलोचना हुई थी। नौबत यहां तक आ गई थी कि उन्हें कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से दूर होना पड़ा। सोशल मीडिया पर भी यूजर्स ने सिद्धू को खूब घेरा। गौरतलब है कि सलमान खान चाहते है कि सिद्धू शो में वापसी करें। कपिल शर्मा शो के निर्माता सलमान खान चाहते थे कि जब तक मामला ठंडा नहीं पड़ जाता तब तक सिद्धू शो से दूरी बनाए रखें। सलमान भी नहीं चाहते थे कि सिद्धू शो से बाहर हो। एक अखबार की खबर के मुताबिक, चैनल और सिद्धू के बीच एक करार हुआ है। वहीं, सोनी टीवी और सलमान को मामला शांत होने का इंतजार है ताकि वह उन्हें दोबारा शो में ला सके।

सीरियल ओम नमः शिवाय आज भी किया जाता है याद

सोमवार को महाशिवरात्रि महापर्व है। इस खास दिन शिव शंकर की पूजा-अर्चना की जाएगी। भगवान शिव हिंदू धर्म में सबसे लोकप्रिय भगवानों में से एक और सबके इष्टदेव है। अगर बात करें टीवी सीरियल की तो यहां पर भी भगवान शिव पर कई सीरियल बनाए गए। कई सीरियल ऐसे थे जिनमें न सिर्फ शिव की महिमा दिखाई गई, बल्कि इसने टीआरपी में भी अपनी खास जगह बनाई। दूरदर्शन के लिए निर्देशक धीरज कुमार के द्वारा बनाए गए सीरियल 'ओम नमः शिवाय' में एक्टर समर जय सिंह द्वारा भगवान शिव का किरदार आज भी सबसे लोकप्रिय माना जाता है। समर जय सिंह की लोकप्रियता तो इतनी थी कि लोगों ने उन्हें भगवान शिव मानकर पूजना भी शुरू कर दिया था।

आधी रात श्रीसंथ पहुंचे रश्मि बानिक के घर

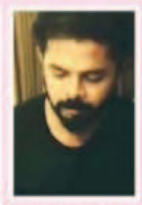

बिग बॉस 12 के कंटेस्टेंट रह चुके पूर्व क्रिकेटर श्रीसंथ हमेशा ही चर्चा में बने रहते हैं। कभी अपने विवादों को लेकर तो कभी अपने रियलिटी शो को लेकर। बिग बॉस के घर में श्रीसंथ जब तक रहे खूब सुर्खियां बटोरने में कामयाब रहे। घर के अंदर रहते हुए उनके कई दोस्त भी बने। यही नहीं उनकी दोस्ती अभी भी कायम है। बिग बॉस 12 की ही एक और कंटेस्टेंट रही रश्मि बानिक ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो श्रीसंथ के साथ दिखाई दे रही हैं। दरअसल, रश्मि बानिक की तबीयत खराब हो गई थी। ऐसे में श्रीसंथ उनके घर पहुंचे और दवा तैयार करके दी।वीडियो में रश्मि ने बताया कि रात के एक बज रहे हैं और उनके लिए श्रीसंथ दवा तैयार कर रहे हैं।

नच बलिए 9 में दर्शकों को दिखेंगे बड़े बदलाव

टैलीविजन के पॉपुलर शो नच बलिए के सीजन 9 को लेकर हलचल तेज हो गई है। शो के जज से लेकर कंटेस्टेंट और होस्ट की चर्चा हो रही है। नच बलिए का आखिरी सीजन 2017 में हुआ था और तब दिव्यांका त्रिपाठी ने खिताब जीता था। इसके बाद से ही दर्शक अगले सीजन का इंतजार हैं। इस बार के सीजन में बहुत कुछ नया होने वाला है। सलमान खान की कंपनी द कपिल शर्मा शो का सीजन 2 प्रोड्यूस कर रही है। कहा ये भी जा रहा है सलमान खान इस शो के जज हो सकते है। सबसे ज्यादा चर्चा हिना खान और उनके बॉयफ्रेंड रॉकी के नाम को लेकर है ये सबसे बड़ी जोड़ी में से एक हो सकती है। इसके अलावा, श्रीसंत-भुवनेश्वरी, मोहित मलिक-अदिति, सोमी खान-दीपक ठाकुर, सुमेध मुदगलकर-मल्लिका सिंह, दृष्टि धामी-नीरज खेमका, सना खान-मेल्विन लुई, रोहन मेहरा-कांची सिंह, अनीता हसनंदानी- रोहित रेड्डी, वरुण सूद-दिव्या अग्रवाल,रूबिना-अनुभव शुक्ला, सिद्धार्थ निगम-अवनीत कौर भी नजर आ सकते हैं।

चुटकुले

पति-पत्नी के बीच लड़ाई का मुख्य कारण होता है पंडित...
क्योंकि वही फेरों के समय आग में घी डालता था।

सोनू (मम्मी से): मम्मा, अपनी पड़ोस वाली आंटी का नाम कितना अजीब है...
मम्मी: क्यों, रश्मि नाम में क्या अजीब है, अच्छा तो है...
सोनू: ...पर डैड तो उसे डार्लिंग बोल रहे थे...

बंटू: वह कौन सी शक्ति थी, जिसने तुम्हें अपनी प्रेमिका से ब्रेकअप के बाद पैचअप करने को मजबूर किया?
शानू: जल-शक्ति

बंटू: मतलब ?
शानू: मैं उसके आंसू सहन नहीं कर सका...

पति: मैं दोबारा शादी करूंगा।
पत्नी: क्यों जी? क्या हुआ।
पति: क्यूंकि यार
शादी वाली फोटो पे लाइक बहुत कम आए हैं
पत्नी: बेहोश।

लड़की अपने बॉयफ्रेंड से चैटिंग कर रही थी
लड़की: पता है
'मां बाप से बढ़कर दुनिया में कुछ नहीं होता'
लड़का: अच्छा तो चलो
हम दोनों मां-बाप बन जाते हैं।

Readers Choice

मरने से पहले रावण करना चाहता था सात काम

ये तो सब जानते हैं कि रावण लंका का राजा था। वह अपने दस सिरों के कारण भी जाना जाता था, जिसके कारण उसका नाम दशानन पड़ा था। जब धरती पर उसके अत्याचार बढ़ गए, तो भगवान विष्णु ने राम के रूप में धरती पर जन्म लेकर उसका सर्वनाश किया था। आपको हैरानी होगी कि रावण मरने से पहले सात ऐसे काम करना चाहता था, जिसकी बदौलत वह सर्वशक्तिमान बन जाता, लेकिन वह इन कामों को कर नहीं पाया। रावण सातों समुद्रों के पानी को मीठा बनाना चाहता था, जिससे धरती पर कभी पीने योग्य पानी की कमी न हो। रावण का इरादा था कि वो धरती से भगवान की पूजा की परंपरा को ही समाप्त कर दे, ताकि फिर दुनिया में सिर्फ उसकी ही पूजा हो। रावण चाहता था कि सोने (स्वर्ण) में सुगंध होनी चाहिए। वो दुनियाभर के सोने पर कब्जा करना चाहता था। रावण स्वर्ग तक जाने के लिए सीढ़िया बनाना चाहता था। रावण चाहता था कि इंसानों के खून का रंग लाल से सफेद हो जाए। कहते हैं कि रावण सांवले रंग का था, इसलिए वो चाहता था कि मानव जाति में जितने भी लोगों का रंग सांवला है वे गोरे हो जाएं, जिससे कोई भी महिला उनका अपमान ना कर सके। रावण शराब से बदबू मिटाना चाहता था। हालांकि रावण के ये सारे सपने अधूरे ही रह गए, क्योंकि देवताओं ने ऐसा होने नहीं दिया।

कैंसर के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थी सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का कहना है कि वह कैंसर के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थी। पिछले साल सोनाली को हाई-ग्रेड कैंसर का पता चला था। इसके बाद जब उन्होंने यह खबर फैंस के साथ शेयर की तो हर कोई हैरान रह गया। सोनाली ने न्यूयॉर्क जाकर इसका इलाज कराया और इलाज कराकर हाल ही में वह भारत लौट आई हैं। सोनाली ने बताया कि शुरुआत में उन्हें मानोचिकित्सक की सहायता लेनी पड़ी थी। उन्होंने बताया कि वह कैंसर के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं। सोनाली ने कहा कि सब लोग कहते थे कि तुम्हारी लाइफस्टाइल ऐसी नहीं थी, फिर तुम्हें ये क्यों हुआ? मुझे लगा कि मैंने कुछ गलत किया है और यह मेरी वजह से ही हुआ है।'इसके बाद वह मनोचिकित्सक के पास गईं और उन्हें बताया कि उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि उनके साथ क्या हो रहा है। सोनाली ने मनोचिकित्सक को बताया कि 'मैं नेगेटिव इंसान नहीं हूं। मेरे विचार पॉजिटिव हैं। क्या मुझे कोई भ्रम है?' सोनाली ने बताया कि इसके बाद मनोचिकित्सक ने जो कहा वह उन्हें हमेशा याद रहेगा। उन्होंने कहा कि 'सोनाली, कैंसर जेनेटिक्स या वाइरस की वजह से होता है। यदि कैंसर विचारों से होता तो मैं सबसे अमीर आदमी होता, क्योंकि मैं विचारों का मेरा पेशा है।' इसके बाद सोनाली को एहसास हुआ कि अगर किसी को कैंसर हुआ तो इसका मतलब यह नहीं है कि उसने कुछ गलत किया है।

हॉलीवुड

जॉनी डेप ने एक्स वाइफ पर किया मुकदमा

'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' के स्टार जॉनी डेप ने पूर्व पत्नी एंबर हर्ड पर 50 मिलियन डालर (354 करोड़) का मानहानि का मुकदमा किया है। दरअसल एंबर हर्ड ने दिसंबर 2018 में दिए इंटरव्यू में डेप को लेकर कहा था कि वह उनसे मारपीट करते थे। डेप ने कहा है कि उन्होंने कभी भी पत्नी के साथ घरेलू हिंसा नहीं की। हर्ड ने लोकप्रियता हासिल करने मुद्दा पर इल्जाम लगाया था। इसलिए डेप ने अपनी पूर्व पत्नी एंबर हर्ड पर मानहानि का आरोप लगाया है। साल 2016 में कोर्ट ने डेप को अपनी पत्नी एंबर हर्ड से दूर रहने का आदेश दिया था। हर्ड ने आरोप लगाया था पूरे रिलेशनशिप के दौरान जॉनी ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की है। उन्होंने कहा था कि डेप शराब और ड्रग जैसी चीजों का सेवन करते हैं और इसलिए उन्हें उनके गुस्से से डर लगने लगा है। साल 2011 में एक फिल्म (द रम डायरी) के सेट पर डेप और हर्ड की मुलाकात हुई थी और तभी वह एक क्रेच एक्ट्रेस के साथ रिलेशनशिप में भी थे, जो पहले से ही दो बच्चों की मां थी। साल 2015 में डेप और हर्ड ने काफी धूम-धाम से शादी रचाई थी और साल 2017 में दोनों का तलाक भी हो गया।

भारत की इस फिल्म को मिला ऑस्कर

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित हॉलीवुड के 91वें ऑस्कर अवार्ड्स का आयोजन अमेरिका में कैलिफोर्निया के डॉल्बी थिअटर में हो रहा है। रेड कार्पेट पर तमाम सितारे पहुंच चुके हैं। हॉलीवुड फिल्म रोमा को बेस्ट सिनेमेटोग्राफी चुना गया है। भारत की शॉर्ट फिल्म पीरियडः एंड ऑफ सेंटेंस को बेस्ट शॉर्ट फिल्म का ऑस्कर मिला है। बोहेमियन रैपसोडी को बेस्ट साउंड एडिटिंग और साउंड मिक्सिंग के लिए किया ऑस्कर से सम्मानित किया है। बेस्ट फिल्म कैटेगरी में 8 फिल्म को आखिरी लिस्ट में रखा गया था। इनमें BlackPanther, BlackKkclansman, Bohemian Rhapsody, The Favourite, Green Book, Roma, A Star Is Born, Vice का नाम शामिल था। इन सबको पीछे छोड़ते हुए ग्रीन बुकने बेस्ट फिल्म कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम किया।

फुटबॉल प्रीमियर लीग का शुभारंभ

कोको हाई ने कप्तान एग्स को 5-0 से हराया

सूरत फुटबॉल प्रीमियर लीग का आयोजन कप्तान एग्स और वन फॉर ऑल के कप्तानों द्वारा किया गया। वेसू रोड स्थित डी.आर.बी. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेली जा रही फुटबॉल प्रीमियर लीग में तीन दिनों में कुल 6 मैच खेले गये हैं।

ता. 3 मार्च को शेख ब्रदर्स और कू स्पोर्ट्स के बीच पहला मैच था। दोनों टीमों ने दो- दो गोल किए जिससे मैच ड्रॉ हो गया। मैन ऑफ द मैच, कू स्पोर्ट्स के खिलाड़ी बल्प्रित सिंह को घोषित किया गया। दूसरा मैच कोको हाई और कैप्टन एग्स के बीच खेला गया, जिसमें कोको हाई 5-0 से विजेता बना। कोको हाई के अतुल पटेल को मैन ऑफ द मैच दिया गया। 4 मार्च को दुसरे दिन के, दो मैचों का पहला मैच आर्या क्लब और यूथ फॉर के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीम ने दो- दो गोल किये और मैच ड्रॉ रहीं। आर्या क्लब के मीत शाह को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरा मैच शेख ब्रदर्स और गेलज़ोटा के बीच हुआ था, ये मैच भी ड्रॉ रहा। दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया। शेख बदर्स के हिमांशु भटवार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस प्रीमियर लीग में सूरत की आठ प्रमुख कंपनियों की आठ टीमें खेल रही हैं। हर शाम दो - दो मैच 5 से 7 घंटे तक खेले जाते हैं। किसी भी फुटबॉल प्रेमी को मुफ्त में मैच देखने की व्यवस्था की गयी है।

बेटियों के जन्म पर निकली बारात

सूरत। रविवार को गुजरात के सूरत में एक अनोखी बारात देखने को मिली। इस बारात में सभी बैंड- बाजे के साथ धूमधाम से नाचते- गाते घर पहुंचे। घर को भी फूलो और लाइटों से सजाया गया था। लेकिन खास बात यह थी कि इस बारात में चल रही बग्घी में ना ही कोई दूल्हा था और ना ही बारात किसी दुल्हन को ब्याहने जा रही थी। इस बारात में चल रही बग्घी में 2 बच्चे मौजूद थे, जिन्हें उनके घर ले जाने के लिए यह बारात निकाली गई। दरअसल ट्रैवल फॉर्म चलाने वाले आशीष जैन की पत्नी प्रियम में जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया था। बच्चियों के जन्म के बाद प्रियम अस्पताल से अपने मायके गई थी, जो रविवार को अपने ससुराल पहुंची। बच्चियों को घर लाने से पहले उन्होंने अपने पूरे घर को किसी शादी समारोह की तर्ज पर सजाया। इतना ही नहीं आयोजन में रिश्तेदार और मेहमानों को भी बुलाया। यहां तक की बच्चियों को उनके ननिहाल से सजी हुई बग्घी में घर तक लाया गया। सभी लोग रास्ते भर बैंड- बाजे की धुन पर नाचते नजर आए और बच्चियों के पैदा होने की खुशी मनाते दिखाई दिए।

वहीं बच्चियों के पिता आशीष ने कहा कि इस तरह से बच्चियों को घर लाने के पीछे उनका मकसद था समाज को यह संदेश देना कि बेटा- बेटी एक समान है। बच्चियों को किसी तरह की दिक्कत ना हो इसके लिए उन्होंने ऐसी वाली बग्घी का इंतजाम किया। इसके अलावा घर में डीजे पार्टी आयोजित की गई, जिसमें सभी रिश्तेदार और दोस्त- यार खूब नाचे।

आशीष ने कहा कि हमें दो बेटियां मिल गई है, अब और कोई बच्चा नहीं चाहिए। वही आशीष ने यह भी बताया कि इतनी खुशी शायद उन्हें बेटे की होने पर भी नहीं होती, जितनी दो बेटियों के पिता बनने पर हो रही है। बता दें कि अपनी बेटियों के जन्म की खुशी में उन्होंने 15 लाख रुपए खर्च किए। आशीष ने कहा कि मैं इतना खुश है कि अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

युवक ने लगायी मौत की छलांग

सूरत। शहर के डभोली विस्तार में तापी नदी पर स्थित कोजवे पर से एक वकील ने दोस्त की नजर के सामने ही तापी नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। दुकान के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित रहकर घर लौटते समय छापरा भाटा स्थित श्यामकृपा सोसायटी निवासी 27 वर्षीय दीपक ने दोस्त से कहा था कि उसका प्रेमिका के साथ झगड़ा हुआ है और वह काफई हताश है। यहां तक कि उसने आत्महत्या करने का विचार भी बताया था। कोजवे पर खड़े होकर तनाव दूर करने का प्रयास करने पर दीपक ने दोस्त की नजर के सामने ही छलांग लगा ली। घटना की सूचना मिलने पर फायर के जवान तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गए और दीपक को कोजवे से बाहर निकालकर सिविल में भर्ती करवाया। वहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूरत। शहर के नवसारी बाजार सिथत चोकसी ब्याज नामक दुकान के मालिक पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा फायरिंग कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई।

सूरत। पांडेसरा स्थित जय जवान जय किसान नगर में सूरत महानगर पालिका के मार्केट विभाग द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए टिम को भेजा गया। जहां पर गाय एक घर में घुस गई घर का सामान टुटने से मनपा और घर वस्ती वालों के बीच धक्का मुक्की हो गई जिसमें एक बालक के हाथ में फेकचर होने की बात सामन आई है लेकिन अभी तक कोई पुलिस फरियाद दखिल न होने से विस्तरीत जानकारी नहीं मिल पाई है।

स्वामीनारायण के माधवप्रियदास विवाहिता को लेकर फरार हो गया

अहमदाबाद । अहमदाबाद के कालुपूर में स्थित स्वामीनारायण मंदिर फिर एक बार विवादों में आया है । कालुपूर स्वामीनारायण मंदिर के साधु माधवप्रियदास विवाहिता को लेकर फरार हो जाने से सनसनी मच गई । पूरा मामला सामने आने पर साधु माधवप्रियदास का नाम त्यागी में से कमी किया गया है यह कालुपूर स्वामीनारायण मंदिर का पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है । जिसकी वजह से पूरे स्वामीनारायण संप्रदाय में फिर एक बार सनसनी मच गई । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, स्वामीनारायण मंदिर के साधु माधवप्रियदास १ मार्च से पहले एक विवाहिता को लेकर फरार हो जाने का सामने आया है । यह पूरा मामला स्वामीनारायण संप्रदाय के महंत के स्वामी को ध्यान में आने पर उनको संप्रदाय से त्यागी के तौर पर हटाया गया है । यह मामले में एक स्वामीनारायण मंदिर की तरफ से पत्रिका प्रकाशित की गई थी । जिसमें महंत को एक प्रकार की चेतावनी दिए जाने का उल्लेख किया गया है । आगे पत्रिका में उल्लेख किया गया है कि, माधवप्रियदास के साथ संस्थाकीय कोई लेन-देन नहीं करना यह सूचना दी गई, हालांकि यह स्वामी तथा महिला किस स्थल पर है यह अभी मालूम नहीं किया जा सका है । इसके पहले माधवप्रियदास के गुरु सिद्धस्वर पर भी सिद्धपुर गुरुकुल में बच्चों के साथ अनैतिक काम के आरोप लगाये गये थे । जिसमें स्थानीय निवासियों ने साधु की पिटाई करके पुलिस को सौंप दिया । इसके पहले भी गत अक्टूबर में सूरत में डभोली स्वामीनारायण मंदिर के एक साधु की करतूत सामने आई थी ।

नवनिर्मित अन्नपूर्णा की विश्व के प्रथम पंचतत्व मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

आस्था-आध्यात्म का समाज जीवन के उत्कर्ष के लिए उपयोग करे : मोदी

अन्नपूर्णा आते भक्तों को प्रसाद के तौर पर पौधा देने के लिए मोदी की अपील
बेटी के जन्म पर इमारती लकड़ी मिले ऐसे पांच पेड़ लगाने की अपील

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर निकट अडालज के पास लेउवा पाटीदार समाज की कुल देवी माता अन्नपूर्णा नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कराई । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, आस्था और आध्यात्म का समाज जीवन में किस तरीके से उपयोग किया जा सके इसका विचार करना चाहिए । वर्षों से भारत में धर्मशालाओं, गौशालाओं, अडालज की कुआं जैसे जलमंदिरों के निर्माण सामाजिक शक्ति से हुए हैं । धीरे-धीरे राजनीतिक शक्ति इतनी बलवान हुई है कि, समाज की शक्ति दबा गई । यदि समाज शक्तिशाली होगा तो देश शक्तिशाली बनेगा, हम समाज की मूलभूत शक्ति को बल देने का प्रयास किया है । शक्ति तो समाज की होनी चाहिए । विश्व के प्रथम पंचतत्व मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, लेउवा पाटीदार समाज अन्नपूर्णाधाम में जो कोई दर्शन करने आये तो इनको प्रसाद में एक पौधा दे । भक्तजन अन्नपूर्णा माता के प्रसाद को जीवनभर बड़ा करे । पौधा लगाने से जीवनभर पुण्य प्राप्त होता रहेगा । अन्नपूर्णा माताजी यह प्रसाद से पर्यावरण की रक्षा होगी । प्रसाद से पुण्य प्राप्त होगा, सेवा की सेवा होगी और जीवन को एक नई ऊंचाई मिलेगी । उन्होंन अन्नपूर्णाधाम में प्रसाद की पद्धति बदलने के लिए अपील की । यह पद्धति से समाज को नई दिशा मिलेगी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि लेउवा पाटीदार समाज में जिस परिवार में बेटी का जन्म हो इस परिवार को अपनी बेटी को अन्नपूर्णा माता को पैर से लगाना चाहिए । समाज के आगे आई बेटी के नाम पर इमारती लकड़ी मिले ऐसे पांच पेड़ लगाये । राज्य सरकार ऐसे वृक्षारोपण के लिए जगह आवंटन कराये । २० वर्ष बाद यह पांच पौधे से इमारती लकड़ी प्राप्त हो । समाज यह इमारती लकड़ी बेचकर इसमें से प्राप्त रकम संबंधित बेटी की शादी के लिए खर्च करे । इस तरीके से बेटी की शादी का खर्च भी पूरा हो जाएगा और सरकारी लंबित जमीन हरा हो जाएगा इतना ही नहीं इमारती लकड़ी हमें आयात भी नहीं करना पड़ेगा । लेउवा पाटीदार समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है, प्रगति में यह समाज का विशेष योगदान है, प्रगति में यह समाज का विशेष योगदान है । यह कहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, अमूल डेयरी की शुरूआत कराने वाले लेउवा पटेल थे ।

यह समाज ने सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे सपूत दिए हैं । मंगलवार को विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के सामने पूरी दुनिया को सिर ऊंचा करके देखना पड़ता है, यह कहकर उन्होंने उन्होंने अन्नपूर्णाधाम के ट्रस्टियों से अपील की गई यह किसानों को खेत उपज का ज्यादा कीमत मिले और खेत पद्धति में सुधार हो इस तरीके से फूड प्रोसेसींग प्रॉजेक्ट का करना चाहिए ।

मंच पर पीएम मोदी ने केशूभाई पटेल के पैर छुए

अहमदाबाद। गांधीनगर के अडालज में आयोजित एक कार्यक्रम के मंच पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के पूर्व मु यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता केशूभाई पटेल के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिए। फिलहाल पीएम मोदी गुजरात की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। गुजरात यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री गांधीनगर के अडालज में आयोजित कार्यक्रम शामिल हुए। मंच पर मौजूद सभी नेताओं का अभिवादन करते हुए पीएम मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता केशूभाई पटेल के पास पहुंचे। जहां केशूभाई पटेल के पैर छूकर आशीर्वाद लिए और उनके गले भी मिले। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बातचीत भी हुई।

गौरतलब नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मु यमंत्री थे, तब केशूभाई पटेल के बीच काफी तनातनी थी। इतना ही वर्ष 2007 में केशूभाई पटेल ने अलग से महागुजरात जनता पार्टी का गठन कर गुजरात विधानसभा का चुनाव भी लड़ा था। परंतु गुजरात विधानसभा की 182 में से केशूभाई पटेल की पार्टी को केवल दो सीटें नसीब हुई थीं। हांलाकि नरेन्द्र मोदी चुनाव जीतने के बाद भी केशूभाई पटेल के निवास पर गए थे और पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिए थे। बाद में दोनों के बीच स्थिति सामान्य हो गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**